सांध्य दैनिक **4PM**

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 55 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 29 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

सत्य एक डेबिट कार्ड है- पहले कीमत चुकाएं और बाद में आनंद लें। झूठ एक क्रेडिट कार्ड है- पहले आनंद लें और बाद में कीमत चुकाएं।

-ब्रह्माकुमारी शिवानी

पराग की पारी ने गिराई दिल्ली पर... 7 | यूपी की राह में सियासी हिचकोले... 3 | आप को खत्म करने की साजिश... 2

मुख्तार की मौत पर उठे सवाल!

योगी सरकार पर विपक्ष का प्रहार

- » न्यायिक जांच की मांग
- » पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा शव
- » गाजीपुर में आज ही किया जाएगा सुपुर्द-खाक
- » जुमे की नमाज के बाद निकाला जाएगा मुख्तार अंसारी का शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व विधायक व बाहुबली मुख्तार अंसारी के बांदा जेल में मौत के बाद से योगी सरकार व जेल प्रशासन पर सवाल उठ गए है। ज्ञात हो कि अभी कुछ दिन पहले ही मुख्तार ने आरोप लगाया था की उसे धीमा जहर देकर मारने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके बाद उनके परिजनों ने सरकार व न्यायालयों से इसकी जांच करने को कहा था। पर अभी जांच हो भी नहीं पाई कि वृहस्पतिवार की रात को उनकी तबियत अचानक खराब हो जहां उन्हें बांदा अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी मृत्यु इलाज के दौरान हो गई। डॉक्टरों ने मृत्यु का कारण हार्टअटैक बताया है।

उधर शुक्रवार को उनके परिवार की उपस्थिती में पोस्टमार्टम हुआ। सारी प्रक्रिया के बाद उनके शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि आज ही उन्हें गाजीपुर में सुपुर्दे खाक किया जाएगा। उधर इस मौत पर कांग्रेस, सपा, बसपा समेत पूरे विपक्ष ने सवाल उठाते हुए इसकी न्यायिक जांच की मांग की है।

जुमे की नमाज के बाद बांदा मेडिकल कॉलेज से मुख्तार अंसारी का शव निकाला जाएगा। बांदा मेडिकल कॉलेज बाईपास से तिंदवारी रोड मोड़ से बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर काफिला जाएगा। चित्रकूट के भरतकूप पर बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से काफिला उतरेगा। भरतकूप से कर्वी, चित्रकूट के मऊ, शंकरगढ़ होते हुए प्रयागराज काफिला जाएगा। प्रयागराज से वाराणसी और वाराणसी से गाजीपुर काफिला जाएगा।

अंसारी परिवार के वकील पहुंचे हाईकोर्ट

मुख्तार अंसारी के परिवार के वकील इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे हैं। थोड़ी देर में अर्जी दाखिल करेंगे। विधायक बेटे अब्बास अंसारी को पैरोल दिए जाने या फिर न्यायिक हिरासत में जनाजे में शामिल होने की इजाजत दिए जाने की गुहार लगाई जाएगी। जस्टिस संजय कुमार सिंह की बेंच में मेंशन केस को मेंशन किया जाएगा।

वैधानिक संस्थाओं को ऐसे अजीब मामलों और घटनाओं का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए : तेजस्वी

सबिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अंसारी की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यूपी के पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मौत का दुखद समाचार मिला। हम भगवान से प्रार्थना करेंगे कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। तेजस्वी यादव ने आगे कहा, कुछ दिन पहले उन्होंने शिकायत की थी कि उन्हें जेल में जहर दिया गया है, फिर भी इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। प्रथम दृष्टया, यह उचित और मानवीय नहीं लगता है। संवैधानिक संस्थाओं को ऐसे अजीब मामलों और घटनाओं का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए।

सत्ता का दुरुपयोग कर रही बीजेपी सरकार : सुमैया राणा

मशहूर शायर रहे मुन्नवर राणा की बेटी सुमैया राणा की मुख्तार अंसारी की मौत पर प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा, हम खून की किश्ते तो कई दे चुके लेकिन, ऐ खाके वतन कर्ज अदा क्यों नही होता, एक बड़ा सानेहा है, जिसमें पिछले कई सालों से रमजान जिस तरीके से जेल में रहने वाले चाहे शाहबुद्दीन भाई हो, चाहे अतीक अहमद हो, या इस बार मुख्तार भाई का इंतकाल होना, ये लॉ एंड ऑर्डर की धज्जियां उड़ाना हैं और कहीं न कहीं इससे संविधान की धजियां उड़ाना हैं। सुमैया राणा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपनी सत्ता के बल पर सत्ता का दुरुपयोग करते हुए, अपने जेल में, अपनी संरक्षण में रहते हुए जैसी मौतें हो रही हैं और उसको बीमारी की शक्ल दी जा रही है, ऐसा पहले भी हो चुका है और आज मुख्तार भाई के साथ भी ऐसा ही हुआ।

बेटे के आरोप के बाद सरकार ने दिए जांच के आदेश

जेल में बंद गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत पर विवाद तब खड़ा हो गया जब उनके बेटे ने दावा किया कि पूर्व विधायक को जेल में सॉफ्ट जहर दिया गया था। जिसके बाद उनकी तबियत बिगड़ी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। 2005 से जेल में बंद अंसारी (60) की गुरुवार को उत्तर प्रदेश के बांदा में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। उत्तर प्रदेश पुलिस ने किसी भी कानून-व्यवस्था की स्थिति को रोकने के लिए राज्य भर में निषेधाज्ञा जारी की है। मऊ से पांच बार विधायक रहे मुख्तार अंसारी के खिलाफ 60 से अधिक आपराधिक मामले लंबित थे। मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने दावा किया कि गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी को जेल में धीमा जहर दिया गया था। ऐसा ही दावा अंसारी के भाई और ग़ाज़ीपुर सांसद अफ़ज़ाल अंसारी ने भी किया था। अधिकारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि मुख्तार अंसारी की मौत की मजिस्ट्रेटी जांच तीन सदस्यीय टीम द्वारा की जाएगी। पिछले हफ्ते, मऊ से पांच बार के पूर्व विधायक ने बाराबंकी अदालत में एक आवेदन दायर किया था, जिसमें कहा गया था कि उन्हें भोजन के साथ कुछ जहरीला पदार्थ दिया गया था। अंसारी ने दावा किया कि 19 मार्च को खाना खाने के बाद उनकी नसों और अंगों में दर्द होने लगा।

यूपी में सरकारी अराजकता चरम पर : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने माफिया मुख्तार अंसारी की जेल में मौत को लेकर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मामले की सर्वोच्च न्यायालय के जज की निगरानी में जांच किए जाने की मांग की है। यूपी इस समय सरकारी अराजकता के सबसे बुरे दौर में है। यह यूपी की कानून-व्यवस्था का शून्यकाल है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि हर हाल में और हर स्थान पर किसी के जीवन की रक्षा करना सरकार का सबसे पहला दायित्व और कर्तव्य होता है। सरकारों पर निम्नलिखित हालातों में से किसी भी हालात में, किसी बंधक या कैदी की मृत्यु होना, न्यायिक प्रक्रिया से लोगों का विश्वास उठा देगा।

परिवार के आरोपों की उच्चस्तरीय जांच जरूरी : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने माफिया मुख्तार अंसारी की मौत पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि मुख़्तार अंसारी की जेल में हुई मौत को लेकर उनके परिवार द्वारा जो लगातार आशंकायें व गंभीर आरोप लगाए गए हैं उनकी उच्च-स्तरीय जांच जरूरी है जिससे कि मौत के सही तथ्य सामने आ सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे में उनके परिवार का दुखी होना स्वाभाविक है। कुदरत उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। मुख़्तार अंसारी की जेल में हुई मौत को लेकर उनके परिवार द्वारा जो लगातार आशंकायें व गंभीर आरोप लगाए गए हैं उनकी उच्च-स्तरीय जाँच जरूरी, ताकि उनकी मौत के सही तथ्य सामने आ सकें। ऐसे में उनके परिवार का दु:खी होना स्वाभाविक। कुदरत उन्हें इस दु:ख को सहन करने की शक्ति दे।

आप को खत्म करने की साजिश : केजरीवाल

» बीजेपी पर बरसे सीएम, आप संयोजक की रिमांड बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रिमांड 1 अप्रैल तक बढ़ गई है। उसके बाद कोर्ट से वापस जाते समय आप संयोजक ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उधर कोर्ट में केजरीवाल ने कहा कि मुझे किसी कोर्ट में दोषी साबित नहीं किया जा सका और गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई ने 31 हजार व ईडी ने 25 हजार पेज दाखिल किए। आप इन दोनों को साथ में पढ़ लीजिए। मुझे क्यों गिरफ्तार किया। आम आदमी पार्टी को खत्म करने की साजिश है। इस पर अदालत ने कहा कि आप जो बोल रहे हैं, वे लिखकर क्यों नहीं देते।

इस पर केजरीवाल ने बोलने की गुजारिश की। मेरा नाम 4 जगह आया है बस। एक है सी. अरविंद। उसने कहा कि उसने मेरी उपस्थिति में कुछ दस्तावेज सिसोदिया को दिए। मेरे घर रोज विधायक आते हैं, क्या ये बयान एक मौजूदा सीएम को गिरफ्तार करने के लिए काफी है।केजरीवाल ने एमएसआर (मगुंटा रेड्डी केस में सरकारी गवाह) का बयान पढ़ते हुए कहा कि वे शाम 4:30 बजे मुझसे मिलने आए। दिल्ली में अपना धर्मार्थ संगठन खोलना चाहते थे। उन्होंने जमीन मांगी तो मैंने कहा कि मैं एलजी को भेजूंगा। उसी दिन ईडी का छापा पड़ा और उन्होंने मामले को गलत ढंग से पेश किया। पहले एमएसआर व उनके बेटे ने ईडी के सामने छह बयान हैं दिए जिसमें मेरा नाम नहीं थी। इसके बाद ईडी ने 7वें बयान का इस्तेमाल किया। शरथ रेड्डी ने नौ बयान दिए, लेकिन किसी में भी मेरा नाम नहीं था। मामले में जो लोग गवाह बन रहे है और उन्हें बयान बदलने को मजबूर किया जा रहा है। इसके बाद केजरीवाल के बयान का ईडी ने विरोध किया और अदालत ने पांच मिनट का वक्त दिया। केजरीवाल ने कहा कि ईडी का मिशन सिर्फ मुझे फंसाना था। तीन बयान दिए गए जिसमें से कोर्ट के सामने वह बयान लाया गया, जिसमें मुझे फंसाया गया। एक और गवाह के सात बयान दर्ज किए गए। इनमें छह में मेरा नाम नहीं है। जैसे ही 7वें बयान में मेरा नाम आता है, उसे छोड़ दिया गया। एक गवाह शरथ रेड्डी है। मैं ये जानना चाहता हूं कि क्या चार बयान एक मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए काफी हैं। हजारों पेज ईडी के दफ्तर में है, जो मेरी बेगुनाही को साबित करते हैं। इसे सामने क्यों नहीं लाया जा रहा। 100 करोड़ रुपये का शराब घोटाला है तो पैसा कहां गया। असली शराब घोटाला ईडी की जांच के बाद शुरू होता है। ईडी के जरिये वे पैसे इकट्ठा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नहीं कर रहे सहयोग : ईडी

ईडी रिमांड के दौरान 23 से 27 मार्च तक केजरीवाल के बयान दर्ज किए गए। इसके अलावा तीन और लोगों के बयान दर्ज किए। इसमें मनीष सिसोदिया के पूर्व सचिव सी अरविंद हैं, जिन्हें केजरीवाल की मौजूदगी में उनके घर ड्राफ्ट जीओएम रिपोर्ट दी गई। ईडी ने कहा कि आप को फंड मिला, जिसका इस्तेमाल गोवा चुनाव में किया गया। एकदम स्पष्ट चेन मिली है। हमारे पास बयान और दस्तावेज हैं, जिनसे साबित होता है कि पैसे हवाला के जरिये आए और गोवा चुनाव में फंडिंग की गई। केजरीवाल कह रहे हैं कि पैसे भाजपा को दिए गए। उनका शराब घोटाले से कोई लेनादेना नहीं है। मुख्यमंत्री कानून से ऊपर नहीं होता है। वे भी आम आदमी हैं। हमारे पास सबूत हैं कि केजरीवाल ने 100 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी। अगर किसी को बयान बदलने के लिए मजबूर किया गया है तो यह जांच का विषय है। केजरीवाल जानबूझकर पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। हमने पंजाब के कुछ एक्साइज अधिकारियों को भी इस मामले में समन भेजा है। उनसे भी केजरीवाल का आमना-सामना कराया जाएगा। हम केजरीवाल का सामना कुछ और लोगों से करवाना चाहते हैं।

ईडी मेरे पति को परेशान कर रही : सुनीता

दिल्ली के सीएम की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि ईडी उन्हें बहुत परेशान कर रही है। उनकी तबियत बहुत खराब है। आगे उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को बहुत परेशान किया जा रहा है, जनता इसका जवाब देगी। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि आपने कहा था कि केजरीवाल आज कोर्ट में बड़ा खुलासा करेंगे तो इस पर उन्होंने कुछ नहीं कहा और कोर्ट से बाहर चली गईं।

13 मई के बाद टूट जाएगा जगन मोहन रेड्डी का अहंकार: चंद्रबाबू

» बोले- तेदेपा, भाजपा और जनसेना का समर्थन करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश में लोग आगामी चुनावों में वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी को हराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रमुख ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री रेड्डी का 'मेमंता सिद्धम' चुनाव प्रचार बस यात्रा एक 'विफलता' है और उन्होंने लोगों से राज्य के पुनर्निर्माण के लिए तेदेपा, भाजपा और जनसेना का समर्थन करने का आग्रह किया।

नायडू ने अपने प्रजागलम चुनाव प्रचार दौरे के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी का अहंकार 13 मई (चुनाव के दिन) के बाद टूट जाएगा।' आंध्र प्रदेश में 175 सदस्यीय विधानसभा और 25 लोकसभा सीट के लिए चुनाव 13 मई को होने हैं और वोटों की गिनती चार जून को होनी है।

बीआरएस नेता केशव राव कांग्रेस में लौटेंगे

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठनेता और राज्यसभा सदस्य के. केशव राव कांग्रेस में लौटने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार अविभाजित आंध्र प्रदेश में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे राव कांग्रेस में वापस जाने के बारे में सोच रहे हैं और वह बाद में विवरण साझा करेंगे। वह 2013 में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) में शामिल हुए थे, जिसका नाम बदलकर बाद में बीआरएस कर दिया गया था। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि केशव राव की बेटी और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की महापौर विजया लक्ष्मी आर. गडवाल के 30 मार्च को कांग्रेस में शामिल होने की संभावना है।

जबतक भाजपा को खदेड़ नहीं देंगे सोएंगे नहीं

» पीएम के नींद उड़ने वाले बयान पर डीएमके नेता उदयनिधि का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मंत्री व सीएम स्टालिन के पुत्र उदयनिधि ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का कहना है कि डीएमके को नींद नहीं आ रही है। हां, जब तक हम उन्हें घर न भेज दें, हमारी नींद उड़ी रहती है। हम तब तक सोने वाले नहीं हैं जब तक हम भाजपा को घर नहीं भेज देते। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विपक्षी इंडिया गुट पर उनकी नींद हराम टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा।

डीएमके नेता ने कहा कि उनकी पार्टी तब तक नहीं सोएगी जब तक वह आगामी लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी और बीजेपी को वापस घर नहीं भेज देती। तिरुवनमलाई जिले में एक अभियान के दौरान उदयनिधि ने कहा कि पीएम मोदी का कहना है कि डीएमके को नींद नहीं आ रही है। हाँ, जब तक हम उन्हें घर न भेज दें, हमारी नींद उड़ी रहती है। हम तब तक सोने वाले नहीं हैं जब तक हम भाजपा को घर नहीं भेज देते। युवा नेता ने आगे कहा कि 2014 में गैस सिलेंडर 450 रुपये था और अब 1200 रुपये है। जब से चुनाव आया है पीएम मोदी ने ड्रामा किया है और 100 रुपये कम कर दिए हैं। चुनाव के बाद वह फिर से सिलेंडर के दाम 500 रुपये बढ़ा देंगे। डीएमके नेता की टिप्पणी इस महीने की शुरुआत में पीएम मोदी द्वारा इंडिया ब्लॉक पर किए गए हमले के प्रतिशोध में है।

चक्रवात जैसे आपदा में भी पीएम नहीं करते मदद

प्रधानमंत्री पर अपना हमला जारी रखते हुए उदयनिधि ने कहा कि पिछले साल जब राज्य चक्रवात मिचौंग से प्रभावित हुआ था तब मोदी ने तमिलनाडु का दौरा नहीं किया था। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री ने केंद्र से चक्रवात के बाद तमिलनाडु के लिए धन की मांग की है, लेकिन अब तक हमें एक भी रुपया नहीं दिया गया है। अगले 22 दिनों में हमारे कार्यकर्ता प्रत्येक घर में जाएंगे, जिम्मेदारी लेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि आप सभी डीएमके को जिताएं। 3 जून को (दिवंगत राजनेता और पूर्व मुख्यमंत्री) एम करुणानिधि की 100वीं जयंती है और 4 जून को लोकसभा चुनाव की गिनती है। हम तमिलनाडु और पुडुचेरी की सभी 40 सीटें जीतकर एक उपहार देंगे।

प्रधानमंत्री ने 11 मार्च को कहा था कि कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन को इन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन से दिक्कत है। इन विकास परियोजनाओं से उनकी नींद उड़ी हुई है। कांग्रेस में विकास की बात करने की ताकत नहीं है। जब मैं विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन करता हूं, तो वे इसे चुनावी रणनीति कहते हैं। नकारात्मकता और केवल नकारात्मकता ही कांग्रेस की असली विशेषता है।

जम्मू-कश्मीर में बसपा के दो उम्मीदवारों ने किया नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। बसपा धीरे-धीरे अन्य राज्यों में भी अपनी उपस्थिती मजबूती से दर्ज करा रही है। इसी सिलसिले में बसपा प्रमुख ने जम्मू संसदीय क्षेत्र से दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। एक चुनाव अधिकारी ने बताया कि जम्मू लोकसभा सीट के लिए अधिसूचना बृहस्पतिवार को जारी की गई। जम्मू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र देश भर के उन 88 क्षेत्रों में से एक है जहां 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान हो रहा है।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, ''जम्मू निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन के पहले दिन दो उम्मीदवारों ने बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। दोनों उम्मीदवार बीएसपी के जगदीश राज और चरणजीत चारगोत्रा (वैकल्पिक उम्मीदवार) हैं।

यूपी में पहले चरण की आठ सीट के लिए कुल 155 में से 71 नामांकन अस्वीकृत

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण की आठ सीट के लिए दाखिल कुल 155 नामांकन पत्रों में से 84 नामांकन पत्र वैध पाये गये। जांच में 71 नामांकन पत्रों को अस्वीकृत कर दिया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रथम चरण में आठ निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 मार्च थी। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशी 30 मार्च तक नाम वापस ले सकते हैं। प्रथम चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। अधिकारी ने बताया कि सहारनपुर सीट के लिए 13 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया, जांच में एक नामांकन अस्वीकृत हुआ और बाकी 12 पत्र वैध पाये गये।

यूपी की राह में सियासी हिचकोले करेंगे परेशान

भाजपा को भारी पड़ सकता है सत्ता विरोधी लहर

- 80 लोस सीटों पर सबकी नजर
- कांग्रेस में लीडरशीप की कमी पड़ न जाए भारी
- सपा व बसपा को झेलनी पड़ सकती है नाराजगी
- बसपा का होगा कड़ा इम्तिहान
- सपा के गढ़ में लगानी होगी सेंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव के दूसरे चरण के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी के साथ चुनावी प्रचार भी रफ्तार पकड़ने लगा है। पर बहुत से पार्टियों में अब भी प्रत्याशी चुनाव में देरी है। लोक सभा चुनावों के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश के 80 लोक सभा सीटों पर सभी सियासी पार्टियों की नजर है। राज्य में मुख्यतः चार प्रमुख पार्टियां हैं। भाजपा, कांग्रेस, बसपा व सपा। इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय पार्टियां भी हैं जिनकी कुछ सीटों पर अच्छी-खासी पकड़ है। पर इन सबके बीच सबसे बड़ी बात यह है कि किसी भी राजनीतिक पार्टी के लिए ये चुनाव आसान नही होने वाले हैं। जहां बीजेपी को सत्ता विरोधी माहौल का सामना करना पड़ सकता है वहीं कांग्रेस को अच्छे नेताओं का टोटा खल सकता है तो बसपा व सपा को अपने ही लोगों की नाराजगी भारी पड़ सकती है। पर कुल मिलाकर अंतिम निर्णय तो जनता को ही करना है। जनता का फैसला क्या रहा यह तो 4 जून को पता चलेगा।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण की सहारनपुर, बिजनौर और नगीना लोकसभा सीटों पर बसपा का कड़ा इम्तिहान होगा। इन सीटों पर पिछले लोकसभा चुनाव में हाथी ने कमाल दिखाया था। इस बार पार्टी ने इनपर नए प्रत्याशी उतारे हैं।पिछले लोकसभा चुनाव में सहारनपुर से बसपा के फजलुर्रहमान, बिजनौर से मलूक नागर और नगीना से गिरीश चंद्र जीते थे। पर, इस बार पार्टी ने सहारनपुर से माजिद अली को टिकट दिया है। जबकि भाजपा ने राघव लखनपाल और सपा-कांग्रेस गठबंधन ने इमरान मसूद को प्रत्याशी बनाया है। लिहाजा सहारनपुर में मुस्लिम मतों का बंटवारा तय माना जा रहा है। इसी तरह बिजनौर में बसपा ने चौधरी विजेंद्र सिंह को प्रत्याशी घोषित करके जाट वोट बैंक को अपने पाले में करने की रणनीति बनाई है। सपा ने पहले यहां से यशवीर सिंह को प्रत्याशी घोषित किया था, पर बाद में दीपक सैनी को टिकट दे दिया। भाजपा के साथ गठबंधन के बाद रालोद के पाले में आई बिजनौर सीट पर चंदन चौहान चुनाव लड़ने जा रहे हैंयहां पर मुकाबला त्रिकोणीय है। नगीना सीट (सुरक्षित) पर बसपा ने अपने सांसद गिरीश चंद्र की जगह सुरेंद्र मैनवाल को प्रत्याशी घोषित किया है, जबकि सपा ने मनोज कुमार और भाजपा ने विधायक ओम कुमार को टिकट दिया है।

पार्टी गिरीश चंद्र को बुलंदशहर से प्रत्याशी बनाकर अपना वोट बैंक सुरक्षित रखने की जुगत में है। हालांकि नगीना सीट पर आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर ने भी नामांकन करके बसपा समेत सभी दलों के सामने चुनौती पेश कर दी है। बिजनौर के सियासी रण में रामविलास पासवान, मीरा कुमार, मायावती आदि तमाम नेता किस्मत आजमा चुके हैं। फिलहाल यह सपा का गढ़ बन चुकी है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में बिजनौर की पांच विधानसभा सीटों में से चार पर सपा ने जीत हासिल की थी। इस लोकसभा चुनाव में बसपा ने अपने सांसद मलूक नागर की जगह चौधरी विजेंद्र सिंह को टिकट दिया है। पिछले चुनाव में मलूक नागर ने भाजपा के भारतेंदु सिंह को करीब 70 हजार वोटों के अंतर से हराया था। इस बार भाजपा के बजाय रालोद अपना दमखम दिखाने जा रहा है। इस सीट पर मुस्लिम और जाट वोट बैंक हार-जीत का फैसला करता रहा है।

मतदाताओं को बाहर निकलना जरूरी

इन सबसे हटकर प्रचंड गर्मी में मतदाताओं को घर से निकालने की बड़ी चुनौती होगी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि हमारा वोटर पॉजिटिव फैक्टर जैसी धारणा में चुनाव तक पूरा माहौल बनाकर वोट के दिन घर बैठ जाता है। अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने के बाद यूपी सहित भाजपा की कई राज्य सरकारें बर्खास्त कर दी गईं। बाद के चुनाव में बर्खास्तगी के खिलाफ ऐसा आक्रोश नजर आ रहा था कि जिससे लग रहा था कि दो तिहाई बहुमत से सरकार बनेगी। पर, हुआ उल्टा। दूसरा वाकया तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय का है। पहली बार केंद्र सरकार ने अपने काम पर वोट मांगने का साहस दिखाया था। अति उत्साह में चुनाव के लिए इंडिया शाइनिंग का नारा दे दिया गया। चुनाव भर खूब उत्साह नजर आया। पर, नतीजे आए तो ढेर थे।

भाजपा के लिए भी चुनौती कम नहीं

भाजपा यूपी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 में कर चुकी है। सभी 80 सीटें जीत पाना इतना आसन नहीं होगा। हालांकि, ऐसा करिश्मा आपातकाल के बाद हुए 1977 के आम चुनाव में हो चुका है। तब जनता पार्टी उस समय की सभी 85 सीटों पर अपना परचम फहराने में कामयाब हुई थी। सियासी पंडितों का तर्क है कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा 16 सीटें हार गई थी। उपचुनाव में आजमगढ़ और रामपुर दो सीटें जीतीं जरूर, लेकिन मुकाबला कड़ा रहा। सपा के गढ़ वाली मैनपुरी और कांग्रेस का किला रही रायबरेली दो ऐसी सीटें हैं, जो भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण रही हैं। पिछले चुनाव में हारी और कड़े मुकाबले वाली 20 से ज्यादा सीटों के हालात अब भी पिछले आमचुनाव से ज्यादा भिन्न नहीं हैं। उल्टा कई सीटों पर मोदी फैक्टर की जगह प्रत्याशी फैक्टर हावी है। अब तक घोषित 63 सीटों में से करीब 10 ऐसी हैं, जहां मतदाता इस बार भाजपा से नए चेहरे की उम्मीद कर रहा था। पर, पार्टी ने रामलहर का प्रभाव मानकर पुराने को ही उतार दिया। साल 2014 और 2017 के चुनाव की तरह तत्कालीन सरकार के खिलाफ वाला माहौल भी नहीं है। सरकार भाजपा की है। 2014 की तरह चतुष्कोणीय मुकाबला नहीं है। तब भाजपा-अपना दल, कांग्रेस-रालोद-महान दल गठबंधन के अलावा बसपा और सपा के बीच चतुष्कोणीय चौसर सजी थी। 2019 की तरह महागठबंधन जरूर सामने नहीं है, लेकिन त्रिकोण बनाने को मैदान में उतरी बसपा के पास पहले जैसे दमदार प्रत्याशी नजर नहीं आ रहे हैं।दूसरा, 2019 में बसपा प्रदेश की 37 सीटों पर मैदान में नहीं थी। ऐसी सीटों पर अपवाद स्वरूप छोड़कर दलित वोट महागठबंधन के बजाय भाजपा की ओर शिफ्ट हो गया था, जिसकी वजह से भाजपा की सीटें 2014 की अपेक्षा घटने के बावजूद मत प्रतिशत बढ़ गया था। तीसरा, इस चुनाव में सत्ताधारी दल के काम, व्यवहार और आचरण की भी लोग चर्चा कर रहे हैं। चुनाव कार्यक्रम के एलान के साथ ही अलग-अलग इलाकाई फैक्टर उभरने लगे हैं। एक और बड़ी बात- पिछले दो चुनावों में भाजपा की सीटें बढ़ने की जगह घटी हैं। भाजपा 2014 की अपनी 71 सीटों की जगह 2019 में 62 सीटें और 2017 के विधानसभा चुनाव में मिलीं 312 सीटों के मुकाबले 2022 में 255 सीटें ही जीत सकी। ऐसा तब हुआ जब दोनों ही चुनाव राज्य व केंद्र की डबल इंजन सरकार के सत्ता में रहते हुए संपन्न हुए हैं।

2019 में भाजपा 16 सीटें हारी थी

गाजीपुर, घोसी, नगीना, सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, लालगंज, जौनपुर, मैनपुरी, मुरादाबाद, संभल और रायबरेली। रामपुर और आजमगढ़ भी हारी थीं लेकिन उप चुनाव में जीत लीं।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए करना होगा प्रयास

2014 की सफलता से बेहतर प्रदर्शन के लिए पार्टी ने रणनीति और चुनाव प्रबंधन से लेकर आक्रामक प्रचार अभियान की जोरदार तैयारी की है। यह चुनाव के पहले से और अब प्रचार-अभियान की शुरुआत तक साफ-साफ नजर आ रहा है। चुनाव के ठीक पहले भाजपा ने श्रीराम मंदिर का निर्माण और भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कर अपना सबसे बड़ा चुनावी वादा पूरा किया। इसे भाजपा %जो कहा, सो किया% की तरह प्रचारित कर रही है। भाजपा इस माहौल को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत से लगी हुई है। भाजपा सरकार वाले राज्यों के मुख्यमंत्री सहित उनकी कैबिनेट तक अयोध्या आकर दर्शन कर चुकी है। इससे उन राज्यों सहित यूपी में लगातार चर्चा और माहौल बना हुआ है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को अयोध्या लाकर दर्शन कराया गया है।2019 की तरह विपक्ष में महागठबंधन नहीं है। सपा-कांग्रेस गठबंधन की वैसी मजबूत स्थिति नजर नहीं आ रही है जैसी सपा-बसपा-रालोद की मानी जाती थी।बसपा अकेले चुनाव मैदान में है। इससे चुनाव त्रिकोणीय बनने के आसार बढ़ गए हैं। त्रिकोणीय मुकाबले में बसपा अपनी उम्मीद तलाश रही है, लेकिन सियासी पंडित इसे व्यापक स्तर पर भाजपा के लिए मुफीद मान रहे हैं। बसपा ने मुस्लिम प्रभाव वाली कई सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी देकर दूसरे विपक्षी दलों की बेचैनी बढ़ा दी है।भाजपा ने हारी सीटों को जीतने के लिए खास रणनीति के हिसाब से काम किया है। पूर्वांचल में राजभर समाज के नेता ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा व पश्चिम में जाट समाज के नेता जयंत चौधरी की पार्टी रालोद से भी हाथ मिला लिया है। दारा सिंह चौहान के भाजपा में आने से नोनिया-चौहान समाज के बीच समीकरण सुधरेगा। सुभासपा व रालोद राज्य सरकार का भी हिस्सा बन चुके हैं।2014 में राजग ने 73 और 2019 में 64 सीट जीतने के बाद 2024 के लिए सभी 80 सीटों का टारगेट तय कर दिया है। भाजपा यह करिश्मा कर पाती है तो यह बड़ी बात होगी।

मुस्लिम मतदाताओं पर दारोमदार

सहारनपुर में करीब छह लाख मुस्लिम वोटर हैं। वहीं, करीब तीन लाख दलित, डेढ़ लाख गुर्जर, साढ़े तीन लाख सवर्ण और अन्य जातियों के मतदाता हैं। बीते लोकसभा चुनाव में बसपा के हाजी फजलुर्रहमान को 5,14,139 वोट और भाजपा के राघव लखनपाल शर्मा को 4,91,722 वोट मिले थे। करीब दो लाख वोट के साथ कांग्रेस के इमरान मसूद तीसरे नंबर पर रहे थे। पिछली बार सपा का वोट बसपा प्रत्याशी के खाते में गया था, जो इस बार इमरान मसूद को मिल सकता है। नगीना में भी करीब छह लाख मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं दलित मतदाताओं की संख्या करीब तीन लाख है। बीते लोकसभा चुनाव में बसपा के गिरीश चंद्र को 5,68,378 वोट मिले थे। जबकि भाजपा प्रत्याशी डॉ. यशवंत सिंह को 4,01,546 वोट ही पा सके थे। इस बार किसी भी प्रत्याशी के लिए जीत आसान नहीं होगी, क्योंकि भाजपा ने तीन बार के विधायक ओम कुमार को टिकट दिया है और आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर भी मैदान में हैं।

सपा के लिए भारी न पड़ जाए नेताओं की जिद

आजम खां की जिद के आगे सपा नेतृत्व मुरादाबाद में झुक गया। लेकिन, पार्टी के भीतर ही सवाल उठ रहे हैं कि कहीं यह फैसला महंगा न पड़ जाए। मौजूदा सांसद का टिकट काटा जाना कई सीटों के समीकरण प्रभावित कर सकता है।यही वजह है कि संगठन के हमदर्द नेतृत्व के इस फैसले को उचित नहीं मान रहे हैं। उनका तर्क है कि आजम के खुले विरोध के बावजूद रामपुर में जब सपा प्रत्याशी जयाप्रदा जीत सकती हैं, तो फिर उनके इतने दबाव में आने का क्या तुक था? इसे पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां का दबाव ही कहेंगे कि नामांकन के अंतिम दिन ही सपा नेतृत्व मुरादाबाद और रामपुर में टिकट फाइनल कर पाया। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल है को एक कानूनी सलाहकार के साथ सिंबल लेकर चार्टर प्लेन से बुधवार सुबह मुरादाबाद जाना पड़ा। मुरादाबाद में रुचि वीरा के नामांकन की प्रक्रिया को कानूनी सलाहकार ने पूरा कराया और नरेश उत्तम पटेल

तत्काल मुरादाबाद के लिए रवाना हो गए। नरेश उत्तम ने पार्टी के स्थानीय अध्यक्ष को बिना कुछ बताए मोहिबुल्लाह नदवी के नामांकन की तैयारी पूरी करवाई। शायद एक दिन पहले तक नदवी को भी अपना टिकट फाइनल होने की उम्मीद नहीं थी।डॉ. एसटी हसन ने वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव 97 हजार से ज्यादा मतों के अंतर से जीता था। ऐसे में उनका टिकट काटने का निर्णय सपा के नेताओं के ही गले नहीं उतर रहा है। सपा के एक पूर्व एमएलसी नाम न छापने के आग्रह के साथ कहते हैं कि सपा नेतृत्व ने 24 मार्च को डॉ. हसन को टिकट देने का निर्णय लिया था। अब एक नेता के दबाव में टिकट बदलने से आम मतदाताओं में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। पार्टी के लिए भी यह हितकर नहीं कि सामूहिक नेतृत्व के बजाय व्यक्ति विशेष के निर्णय को तरजीह दी जाए। यही वजह है कि सपा के राज्यसभा सदस्य जावेद अली खान भी फैसले को उचित नहीं मानते। हालांकि यह बात उन्होंने इशारों में कही। सपा के ही नेताओं का मानना है कि आजम खां का प्रभाव रामपुर में तभी दिखता है, जब वह खुद मैदान में हों। वर्ष 2004 और 2009 का लोकसभा चुनाव रामपुर से सपा प्रत्याशी के तौर पर जयाप्रदा जीती थीं। तब आजम खां ने तत्कालीन महासचिव अमर सिंह से 36 का आंकड़ा होने के चलते जयापदा का विरोध किया था। टिकट कटने से आसपास की मुस्लिम बहुल सीटों-अमरोहा, रामपुर, बदायूं, नगीना, आंवला और मेरठ पर खराब असर पड़ सकत है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ऑनलाइन गेमिंग सट्टेबाजी पर कब कसेगी नकेल

इन दिनों देश में आईपीएल की शुरू हो गई है। इसी के साथ सट्टेबाजी की खबरें भी आना शुरू हो गई है। सट्टेबाजी के साथ ऑनलाइन गेम एप की बाढ़ सी आ गई है। बहुत सी कंपनियां लीगल तरीके से अपने गेम खिलातीं हैं तो कुछ गैरकानूनी हैं। इस गोरखधंधे से युवाओं का भविष्य भी अंधकार में जा सकता है। सरकारों को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। वहींऑनलाइन गेमिंग के इस नेटवर्क का अंदाजा इसी से आसानी से लगाया जा सकता है कि एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में 1000 गेमिंग कंपनियां कार्य कर रही हैं। नित नए गेम बनाकर उतार रही हैं। वही पिछले साल वित्त मंत्रालय ने ऑनलाइन गेमिंग को कौशल और किस्मत के खेल की श्रेणियों में वर्गीकृत करने और अलग-अलग दर से माल एवं सेवा कर लगाने पर विचार किया था। हालांकि सरकार गेमिंग पर नकेल लगाने की कई योजनाएं लाने की तैयारी की है। ऐसे ऑनलाइन गेम जहां जीत-हार का फैसला किसी निश्चित परिणाम पर निर्भर है या उसकी प्रकृति सट्टेबाजी या जुए की है, वहां 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगा। अकेले 2022 में ही 15 अरब नए गेम डाउनलोड किए गए। देश दुनिया में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार दिन दूनी रात चौगुनी गति से फलता फूलता जा रहा है।

कोविड के बाद के हालातों खासतौर से ऑनलाइन स्टडी और वर्क फ्राम होम का एक दुष्प्रभाव यह सामने आया है कि युवा तो युवा बच्चे भी इसके जाल में फंसते जा रहे हैं। इसके दुष्प्रभाव भी तेजी से सामने आने लगे हैं वहीं यह माना जा रहा है कि आने वाले सालों में इसके कारोबार में और तेजी से बढ़ोतरी होगी। ऑनलाईन गेमिंग में लोग ठगी के शिकार भी बहुत ज्यादा हो रहे हैं। ऐसे में यह गंभीर चिंता का विषय हो जाता है। लाख प्रयासों के बावजूद देश में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार थमना तो दूर की बात है बल्कि तीव्र गति से बढ़ता ही जा रहा है। पिछले एक साल में ही ऑनलाइन गेमिंग के मैदान में पांच करोड़ नए लोगों ने एंट्री ले ली है। 2021 में देश में ऑनलाइन गेम खेलने वालों की संख्या करीब 45 करोड़ थी जो 2022 में बढ़कर 50 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। यह अपने आप में चिंतनीय इसलिए भी हो जाता है क्योंकि युवा और क्या बच्चे इस ऑनलाइन गेम और गैम्बलिंग के जाल में फंसते जा रहे हैं। जानकारों की मानें तो कयास यह लगाया जा रहा है कि 2025 तक यह संख्या 50 करोड़ से 70 करोड़ तक पहुंच जाएगी। तस्वीर का नकारात्मक पहलू यह भी है कि ऑनलाइन गेमिंग के इस खेल में बच्चे तेजी से फंसते जा रहे हैं। 2016 में देश में ऑनलाइन गेमिंग का 54 करोड डॉलर का कारोबार था जो अब बढ़कर 2022 में 2 अरब 60 करोढ़ डालर को पार कर गया हैं वहीं जानकारों की मानें तो इसके 2027 तक चार गुणा ग्रोथ के साथ 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

“ बहुत सी कंपनियां लीगल तरीके से अपने गेम खिलातीं हैं तो कुछ गैरकानूनी हैं। इस गोरखधंधे से युवाओं का भविष्य भी अंधकार में जा सकता है। सरकारों को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। वहींऑनलाइन गेमिंग के इस नेटवर्क का अंदाजा इसी से आसानी से लगाया जा सकता है कि एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में 1000 गेमिंग कंपनियां कार्य कर रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनतंत्र की मूल भावना पर न हो आघात

विश्वनाथ सचदेव

दिल्ली के मुख्यमंत्री और 'आप' पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार होंगे, यह सब जानते थे। सवाल सिर्फ कब गिरफ्तार होंगे का था। अब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया है। यह शब्द लिखे जाने तक उन्हें जमानत नहीं मिली है, और इसी तरह की पहली गिरफ्तारियों को देखते हुए यही लग रहा है कि जमानत आसान नहीं है। ईडी सरकार के इशारों पर काम करती है, इस आशय के आरोप लगाने वाले यह भी कह रहे हैं कि आम-चुनाव से ठीक पहले केजरीवाल को गिरफ्तार करके केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने विपक्ष के एक कद्दावर नेता को चुप करने का काम किया है। पिछले एक अर्से से जिस तरह विपक्ष के नेताओं को कमजोर बनाने की कोशिश हो रही है, उसे देखते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी पर न तो आश्चर्य व्यक्त किया जा सकता है, और न ही यह कहा जा सकता है कि यह गिरफ्तारी अप्रत्याशित थी।

यह अनुमान लगाना भी मुश्किल नहीं है कि इस समय ही यह गिरफ्तारी क्यों हुई- चुनाव से ठीक पहले हुई इस गिरफ्तारी से मतदाता को एक संदेश तो मिलता ही है कि गिरफ्तार होने वाले ने कुछ तो गलत किया ही है। वहीं शायद केजरीवाल भी गिरफ्तारी का राजनीतिक लाभ उठाने की उम्मीद में बैठे थे- वह स्वयं को पीड़ित दिखाकर मतदाता की सहानुभूति की उम्मीद कर ही सकते हैं। मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए किसी को इस तरह गिरफ्तार किए जाने की भले ही यह पहली घटना हो, पर झारखंड के मुख्यमंत्री को भी लगभग इसी तरह कमजोर बनाया गया था। यह सही है कि गिरफ्तारी से ठीक पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र देकर अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बना दी थी, पर मामला यहीं तक सीमित नहीं था। सवाल मुख्यमंत्री की इस तरह की गई गिरफ्तारी के राजनीतिक संकेतों का है। किसी केजरीवाल अथवा किसी सोरेन ने कोई अपराध किया है तो उसे सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन ऐसी किसी कार्रवाई के मंतव्य को समझने की भी आवश्यकता होती है।

जिन स्थितियों में और जिस तरीके से ऐसी कार्रवाई हुई है, या हो रही है, उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि इस सबके पीछे विपक्ष को कमजोर बनाने और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश हो रही है। सरकार यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकती कि ईडी, सीबीआई, इनकमटैक्स

जैसी संस्थाओं को सांविधानिक संरक्षण प्राप्त है और उनके कामकाज में सरकार दखलंदाजी नहीं करती। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के ही एक माननीय न्यायाधीश ने कभी सीबीआई को 'पिंजरे में बंद तोता' कहा था! सत्ता की राजनीति में तब और आज कोई बड़ा परिवर्तन नहीं दिखाई देता। देखा यह जा रहा है कि जन-समर्थन राजनीतिक नेतृत्व को एकाधिकारवादी बना देता है- बना रहा है! जनतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव का होना या चुनाव में जीतना ही पर्याप्त नहीं होता। चुनावों का सही तरीके से होना, चुनाव में भाग लेने के लिए सबको समान और उचित अवसर मिलना जनतंत्र के औचित्य की एक महत्वपूर्ण शर्त है। आज जो स्थितियां देश में बनती जा रही हैं, वे, दुर्भाग्य से, इस आशय का कोई आश्वासन नहीं दे रही हैं। किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री का गिरफ्तार होना एक कथित आरोपी मात्र का गिरफ्तार होना नहीं होता। यदि किसी ने कोई अपराध किया है तो उसे अपने किए की सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन यदि सजा देने के नाम पर किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की जाती है तो उसे उचित नहीं माना जा सकता। इसीलिए यह सवाल उठता है कि किसी केजरीवाल या किसी सोरेन को चुनाव से ठीक पहले ही गिरफ्तार करना क्यों जरूरी समझा गया? यहां सवाल जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों का भी है। यह कहना तो गलत होगा कि देश में जनतांत्रिक मूल्यों का पराभाव हो चुका है, लेकिन जनतंत्र को नये अर्थ देने की कोशिशों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। समय पर चुनाव होने अथवा किसी नेता की लोकप्रियता के आधार पर जनतंत्र की सफलता अथवा औचित्य को नहीं नापा-परखा जा सकता। जनतंत्र का अर्थ होता है नागरिक के अधिकारों, और कर्तव्यों का भी, संरक्षण।

इसके साथ ही मजबूत विपक्ष की महत्ता को समझा जाना भी जरूरी है। जनतंत्र में विपक्ष का काम मात्र आलोचना करना नहीं होता, विपक्ष को ईमानदार, सजग चौकीदार की भूमिका भी निभानी होती है। विपक्ष की सतत जागरूकता जनतंत्र के सफल और सार्थक होने की पहली और जरूरी कसौटी है। लेकिन, दुर्भाग्य से हम अपने देश में विपक्ष को लगातार कमजोर किए जाने की कोशिशों को होता देख रहे हैं।

अफगान पाक टकराव के निहितार्थ

पुष्परंजन

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने धमकाया है कि यदि काबुल किसी तरह की सैन्य कार्रवाई करता है, तो हम उस कॉरीडोर को बंद कर देंगे, जिसके बजिरये भारत, अफगानिस्तान से व्यापार करता है। इंडिया से अफगानिस्तान तक माल पहुंचाने का एक रूट चाबहार पोर्ट है, जो पाकिस्तान की सरहद को नहीं छूता। जब तक ईरान से अफगानिस्तान के बेहतर रिश्ते हैं, यह मार्ग महफूज है। इस मार्ग को चाबहार-हाजीगाक कॉरीडोर कहते हैं। दूसरा, हवाई मार्ग है, जो 2016 से काबुल और कंधहार को भारत से जोड़ता रहा है। तो क्या पाकिस्तान इस तरह का बयान देकर भारत को इन्वॉल्व करना चाहता है? 16 मार्च 2024 को उत्तरी वजीरिस्तान में एक पाकिस्तानी चौकी पर आत्मघाती हमले में दो अधिकारियों समेत सात सैनिकों की जान चली गई। इसकी जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 'बहादुर समूह' ने ली थी।

जवाब में पाकिस्तान ने 18 मार्च 2024 को अफगानिस्तान के अंदर 'बहादुर समूह' के ठिकानों को निशाना बनाया। इस सर्जिकल स्ट्राइक ने काबुल-इस्लामाबाद के संबंधों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है। इससे क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंका बढ़ गई है। लोगों को इसका डर है कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच फुल स्केल वॉर न छिड़ जाए। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ-साथ, बहादुर समूह से जुड़े आतंकवादियों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर कई हाई-प्रोफाइल हमले किये थे, जिनमें दा गज्यानो कारवां, दा सुफियानो कारवां और जैश फुरसान मुहम्मद शामिल हैं। समूह की पहुंच उत्तरी वजीरिस्तान से आगे तक फैली हुई है, जो बन्नू, लक्की मारवात, डेरा इस्माइल खान और टैंक जैसे निकटवर्ती जिलों में सुरक्षा बलों के लिए संवेदनशील है। इससे पहले, 5 फरवरी 2024 को खैबर पखतूनख्वा (केपी) के डेरा इस्माइल खान के छोड़वान पुलिस स्टेशन पर एक हमले में पाक सुरक्षाबलों के 10 लोग मारे गये थे। 2023 से अब तक के आतंकी हमले में 991 लोग मारे जा चुके हैं। अलग-अलग घटनाओं को जोड़ दें, तो घायलों की संख्या 1500 पार है। इसमें 16 मार्च 2024 को उत्तरी वजीरिस्तान में आत्मघाती बम विस्फोट, 26 नवंबर 2023 को बन्नू के बकाकेहल क्षेत्र में आत्मघाती बम विस्फोट और 31 अगस्त 2023 को बन्नू के जानी खेल क्षेत्र में एक सैन्य काफिले पर आत्मघाती हमला भी शामिल है।

फिलहाल पैदा तनाव की वजह हाफिज गुल बहादुर ही है। वह अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान में उस्मानजई वजीर जनजाति के माडा खेल कबीले से आता है। हाफिज गुल बहादुर के पूर्वज 1930 और 1940 के दशक में ब्रिटिश कब्जे के खिलाफ प्रतिरोध के लिए जाने जाते हैं। स्थानीयों का कहना है कि गुल बहादुर जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल की छात्र शाखा से जुड़े थे। 2001 के अंत में अफगानिस्तान में अमेरिका के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप के बाद, ये आतंकवादी सीमा पार उत्तरी वजीरिस्तान सहित पाकिस्तान के कबिलाई इलाकों में भूमिगत हो गए।

यही लोग कालांतर में पाकिस्तान के लिए सिरदर्द साबित हुए। राष्ट्रपति मुशर्रफ पर हत्या के दो प्रयासों और अमेरिका के बढ़ते दबाव के बाद, पाकिस्तान ने 2004 में इस क्षेत्र में अभियान शुरू किया। 2004 में स्थानीय तालिबान नेता, नेक मुहम्मद की हत्या के बाद ऑपरेशन का विस्तार हुआ। हालांकि, 2006 के मध्य तक, हाफिज गुल बहादुर ने अपना रुख बदल दिया और सरकार के साथ शांति समझौता कर लिया। बहादुर की पाकिस्तान से दोस्ती से कुछ विदेशी आतंकवादी नाराज हो गए, जैसे कि इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज्बेकिस्तान (आईएमयू) के आतंकवादी, जिन्होंने उन पर पाकिस्तान का पक्ष लेने का आरोप लगाया। इस बीच, हाफिज गुल बहादुर ने उस इलाके में वर्चस्व के लिए कर वसूली और सजा के मकसद से एक शूरा परिषद की स्थापना की। हालांकि, पाक सरकार से समझौते के बावजूद गुल बहादुर के अफगान तालिबान के साथ संबंध नहीं टूटे। अल कायदा ने दिसंबर 2007 में टीटीपी के बैनर तले विभिन्न पाकिस्तानी तालिबान समूहों को एकजुट करने की मांग की, मगर बहादुर का गुट बाहर ही रहा। अपनी अलग पहचान बनाए रखने के बावजूद, बहादुर समूह को हक्कानी नेटवर्क, अल कायदा और यहां तक कि टीटीपी जैसे प्रभावशाली गुटों के साथ अपने संबंधों से लाभ मिलता रहता है। बहादुर समूह और पाक सरकार के बीच 2006 में हुआ शांति समझौता, मई 2014 के अंत में समाप्त हो गया, इससे ठीक पहले कि पाकिस्तान ने उत्तरी वजीरिस्तान में एक बड़ा सैन्य आक्रमण, ऑपरेशन जर्ब-ए-अजब शुरू किया। हाफिज गुल बहादुर ने सरकार पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

बहादुर के रिश्तेदारों की हत्या ने सरकार से उनकी बढ़ती दुश्मनी में और योगदान दिया। सैन्य अभियान ने बहादुर और उसके लेफ्टिनेंटों के घरों को ध्वस्त कर दिया और उनके परिवारों को विस्थापित होने के लिए मजबूर किया। अप्रैल 2022 में, कई हवाई हमले पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा किए गए, लेकिन सरकार के स्तर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई। अफगानिस्तान में टीटीपी और बहादुर के समूह के ठिकानों को जिस तरह निशाना बनाया गया, उसमें बच्चों सहित कई नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें से कुछ को बहादुर का करीबी बताया गया। 2021 के मध्य में 47 पाकिस्तानी तालिबान गुटों, सांप्रदायिक समूहों और यहां तक कि अल कायदा सहयोगियों के साथ विलय का दावा किया जाता है।

धनिया

थायरॉइड के मरीजों के लिए है अमृत

पाचन रहता है दुरुस्त

सुबह खाली पेट धनिया का पानी पीने से पाचन से जुड़ी समस्याओं को दूर हो जाती है। यह एसिडी की समस्या होने से रोकता है, जिससे जलन, गैस आदि जैसी परेशानियां नहीं होती।

स्किन के लिए भी फायदेमंद

कई सारे न्यूट्रिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर धनिया का पानी रोजाना पीने से स्किन की समस्या दूर होती है। इससे स्किन की रंगत भी निखरती है और एंजिंग भी स्लो हो जाती है। इसके अलावा पीरिड्स के दौरान होने वाले दर्द और पेट की एंठन को दूर करने के लिए धनिया का पानी सबसे अच्छा विकल्प है।

थायरॉइड होता है कंट्रोल

थायरॉइड के मरीजों के लिए धनिया का पानी अमृत से कम नहीं है। इसे रोजाना खाली पेट पीने से थायरॉइड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। धनिया में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जैसे- आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन-ए, विटामिन-सी, विटामिन-के आदि। इसलिए सुबह खाली पेट धनिया के बीज का पानी पीना बहुत लाभदायक माना जाता है। हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल भी थायराइड के कारणों में से एक हो सकता है। धनिया के बीज में मौजूद पोषक तत्व कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं, जो थायराइड की समस्या में लाभ हो सकता है।

ब्लड शुगर में मिलेगी राहत

जब सेल्स ग्लूकोज को एब्जॉर्ब नहीं कर पाते तो वह खून में मिल जाते हैं। इसके कारण बॉडी में शुगर लेवल ज्यादा हो जाता है। ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में धनिया बेहद ही कारगर है। धनिया के बीज में हाइपोग्लाइसीमिक गुण पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखते हैं। रोजाना धनिया का पानी का सेवन डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। और इसके अलावा धनिया के बीज में पाए जाने वाले एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

वजन रहेगा नियंत्रित

धनिया का पानी पीने से वजन भी नियंत्रित रहता है। इसमें मौजूद हाई फाइबर कंटेंट से पेट काफी समय तक भरा रहता है, जिससे भूख नहीं लगती और वजन भी कंट्रोल रहता है। पानी शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में बहुत फायदेमंद होता है। धनिया के बीज में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। धनिया के बीज में एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा होती है।

हमारी लाइफस्टाइल की वजह से हम कई बीमारियों का आसानी से शिकार हो जाते हैं। इसलिए हमारी अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि हमारी डाइट में ऐसे फूड आइटम्स शामिल हों जो हमें बीमारियों से बचाने में मदद करें। धनिया के बीज आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इसका पानी पीने से सेहत से जुड़ी कई परेशानियां दूर रहती हैं। रोजाना घरों में कई मसालों का उपयोग किया जाता है। हल्दी, मिर्ची, दालचीनी, धनिया आदि। ये सभी मसाले खाना का स्वाद बढ़ाने में काम आते हैं, इनमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। धनिया के बीजों को सुखाकर और फिर पीसकर उसका मसाला बनता है, जो खाने का स्वाद दोगुना कर देता है। इतना ही नहीं, इसके बीज का इस्तेमाल किया जाए या पत्तियों का, दोनों की सेहत को बहुत लाभ पहुंचाते हैं।

हंसना मना है

सांता के 9 बेटो में 1 अलग दिखता था, सांता ने मरते वक्त बीवी से पूछा, अब तो सच बता ये अलग दिखने वाला किसका है? बीवी : ये 1 ही तो आपका है!

पहला सरदार: मैंने अपनी वाईफ को 12वीं पास करवाई, फिर, बीए, फिर एमए, और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार: अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रेन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला ट्रेन आएगी तो मर जायेगा, सरदार: साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ, तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का: यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त: क्यों? लड़का: जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, साली 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

लड़की: परसों मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यूं? लड़का: अगर मैं तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा: मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

कहानी | बंदर और लकड़ी का खूंटा

एक समय की बात है, जब शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। उस मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। लकड़ियों के काम के लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। एक दिन मजदूर लकड़ी चीर रहे थे। सारे मजदूर रोज दोपहर का खाना खाने के लिए शहर जाया करते थे। उस दौरान एक घंटे तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन दोपहर के खाने का समय हुआ, तो सभी जाने लगे। एक मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीरी थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आ जाता है। उस समूह में एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और उधम मचाने लगता है। शरारत करते-करते उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, जिस पर मजदूर ने लकड़ी का खूंटा लगाया था। खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, जिसे देखकर बंदर खुश होता है और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूंछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ

कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

मिथुन

भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

कर्क

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या

सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मकर

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

मीन

कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं और आदित्य दोस्त नहीं अच्छे दोस्त हैं: अनन्या पांडे

अनन्या पांडे अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर ही चर्चा में बनी रहती हैं। खासतौर पर पिछले कुछ समय से वह एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ अपने रिश्ते को लेकर खबरों में हैं। इन दिनों हर जगह दोनों को साथ देखा जा रहा है। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते पर कभी मुहर नहीं लगाई। हालांकि, अब आखिरकार अनन्या पांडे ने कह दिया है कि वह और आदित्य सिर्फ दोस्त नहीं हैं। अनन्या पांडे हाल ही में नेहा धूपिया द्वारा होस्ट किए जाने वाले लोकप्रिय चैट शो नो फिल्टर नेहा के छठे सीजन में गेस्ट के तौर पर पहुंची हैं, जहां उन्होंने आशिकी 2 के एक्टर के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। शो के प्रोमो में अनन्या और नेहा को आदित्य के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है। जहां अनन्या कहती हैं कि वह और आदित्य सिर्फ दोस्त नहीं, बल्कि बहुत अच्छे दोस्त हैं। नेहा धूपिया ने कहा, मुझे कृति सेनन की दिवाली पार्टी में एक तस्वीर खींचने का मौका मिला और लोगों ने उसे जूम करके देखना शुरू कर दिया। क्या आप उस पल के बारे में बात करना चाहती हैं? अनन्या पांडे ने कहा, हम सिर्फ दोस्त नहीं, बल्कि बहुत अच्छे दोस्त हैं। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बात करने के लिए बहुत कुछ है। बता दें कि नो फिल्टर नेहा हर गुरुवार को नए एपिसोड के साथ जियो टीवी और जियो टीवी प्लस पर स्ट्रीम किया जाता है। दूसरी ओर अनन्या पांडे की बात करें तो उन्हें जल्द ही कंट्रोल और द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर टाइटल से बन रही फिल्मों में देखा जाने वाला है।

इंतजार खत्म, 'हीरामंडी' की तारीख से उठा पर्दा

1 मई 2024 को प्रीमियर करने की हुई घोषणा

संजय लीला भंसाली की हीरामंडी-द डायमंड बाजार वास्तव में भारत का सबसे बड़ा शो है। जबकि सामने आए पहले लुक ने देश को उस भव्यता से आश्चर्यचकित कर दिया, जिसे फिल्म निर्माता ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाने वाले हैं। बढ़ते उत्साह के बीच, निर्माता इसकी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। मुंबई के महालक्ष्मी रेस कोर्स में एरियल स्पेक्टेक में, नेटफ्लिक्स और जाने माने डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने हीरामंडी द डायमंड बाजार की 1 मई 2024 को प्रीमियर करने की घोषणा की है।

कॉलेज के स्टूडेंट्स के साथ संजय लीला भंसाली की हीरामंडी की लीडिंग एक्ट्रेसेज-मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल, और संजीदा शेख ने इवेंट अटेंड किया। इस दौरान उनके साथ भंसाली प्रोडक्शंस की सीईओ प्रेरणा सिंह और नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी, ग्रैंड रिव्यू के मौके पर थे।

ड्रोन से सीरीज के लॉन्च की तारीख का खुलासा किया गया, जिससे वहां जमा हुई भीड़ में उत्साह की लहर दौड़ गई। नेटफ्लिक्स और जाने माने डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने हीरामंडी द डायमंड बाजार का 1 मई 2024 को प्रीमियर किया जाने वाला है। प्रीमीयर की डेट की घोषणा करते हुए, क्रिएटर और डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने कहा, मैं पूरी टीम के जुनून और समर्पण के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं, जो उन्होंने हीरामंडी- द डिमांड बाजार की दुनिया को नेटफ्लिक्स पर लाने के लिए दिखाई है। इसे 1 मई को रिलीज करने के साथ, हम दुनिया भर के दर्शकों को इसे देखने और अपना प्यार और सम्मान से हमें नवाज़ने का इंतजार नहीं कर सकता हूं। संजय लीला भंसाली की हीरामंडी- द डायमंड बाजार भारत से बना सबसे बड़ा शो है। शो का जब पहला लुक सामने आया था, तब देश को उसकी शानदारता ने हैरान कर दिया, और अब ओटीटी एरिना में लेकर आने वाले रहले गाने सकल बन ने हीरामंडी की दुनिया की एक और झलक दी है। सुंदरता, फेमस स्टार कास्ट और क्लासिकल संगीत से भरपूर, निर्देशक भारत में पहली बार एक शो के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं।

नितेश की 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभायेंगी साक्षी तंवर

बॉलीवुड | मसाला

आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म में नजर आ चुकी वो एक्ट्रेस। जिन्होंने अपने हर किरदार से साबित किया है कि वह शानदार एक्ट्रेस हैं। अब खबर हैं कि नितेश तिवारी की मच अवेटेड 'रामायण' में भी नजर आ सकती हैं।

नितेश तिवारी की रामायण में अब तक अरुण गोविल, रणबीर कपूर, रवि दूबे और सई पल्लवी के शामिल होने की जानकारी सामने आ चुकी हैं। फिल्म 'रामायण' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में लगातार नए अपडेट आ रहे हैं। अब हालिया जानकारी के मुताबिक रावण' के अपोजिट एक फायर ब्रांड एक्ट्रेस को कास्ट किया गया है, जानें कौन हैं वो टैलेंटेड एक्ट्रेस। सबसे पहले राम के किरदार में रणबीर कपूर का नाम इस फिल्म से जुड़ा था। इसके बाद उपलब्ध जानकारी के मुताबिक रवि दुबे के लक्ष्मण के भूमिका में नजर आने की बात सामने आई। हालांकि सनी देओल और हरमन बावेजा का नाम भी काफी समय से सुर्खियों में हैं। लेकिन कौन एक्टर किस भूमिका में नजर आने वाला है इसकी अब तक ऑफिशियलए ऐनाउंस नहीं किया गया है।

रावण के किरदार के लिए साउथ के जाने माने एक्टर यश को परफेक्ट च्वाइस माना जा रहा है। हालांकि अब तक इस पर भी कोई घोषणा नहीं की है। लेकिन रावण के किरदार के बाद अब उनकी पत्नी मंदोदरी के किरदार की चर्चा हो रही है। साक्षी को मंदोदरी के किरदार के लिए चुना जा सकता है। वह नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी आमिरा खान की फिल्म 'दंगल' में भी नजर आ चुकी हैं। बता दें कि कहा तो ये भी जा रहा है कि फिल्म एक पार्ट में खत्म नहीं होगी। पहला पार्ट सीता के अपहरण पर खत्म हो जाएगा और फिर दूसरे पार्ट में बाकी की कहानी को आगे बढ़ाया जा सकता है।

अजब-गजब | मुंडारी जनजाति के लोग गोबर से करते हैं ब्रश, गोमूत्र से धोते हैं सिर

गायों पर जान छिड़कते हैं ये लोग सो जाएं तो बंदूक लेकर देते हैं पहरा!

दुनिया कोई छोटी नहीं है, ऐसे में यहां रहने वाले भी तरह-तरह के लोग होते हैं। किसी कोने में कुछ चल रहा होता है तो किसी दूसरे कोने में कुछ और। एक जगह पर बैठे हुए लोग ये समझ भी नहीं पाते हैं कि दुनिया की ही किसी और जगह पर कुछ अलग कल्चर हो सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही लोगों के बारे में बताएंगे, जिनकी एक ऐसी खासियत है, जो भारत की संस्कृति से काफी मिलती-जुलती है।

इस ट्राइब की विशेषता ये है कि ये अपने मवेशियों को ही अपना सब कुछ मानते हैं। इनकी पूरी जिंदगी मवेशियों के ही इर्द-गिर्द घूमती रहती है। चूंकि इनकी आय का प्रमुख स्रोत यही हैं, ऐसे में ये उन्हें हर वो सुविधा देते हैं, जो इनके हाथ में है। आप इस बात का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि वे मशीन गन लेकर अपने गाय-बैलों की सुरक्षा करते हैं।

अफ्रीका के दक्षिण सूडान में रहने वाले एक जनजातीय समूह मुंडारी के लिए गाय सिर्फ पशु नहीं बल्कि उनकी प्रतिष्ठा का सवाल है। क्या मजाल है कि कोई उनकी गाय के साथ कुछ बुरा कर दे। जब गायें सोती हैं, तो इस ट्राइब के लोग मशीन गन लेकर पहरा देते हैं। वे उनके गोमूत्र से ही अपना सिर धोते हैं और इसमें मौजूद यूरिक एसिड से उनके बाल रंग जाते हैं। गाय के गोबर से वो दांत साफ करते हैं और इसे पाउडर के तौर पर भी इस्तेमाल करते हैं। मुंडारी जनजाति के इन लोगों के लिए गाय उनके परिवार की तरह हैं और वे इनसे जरा भी दूर नहीं रहना चाहते। इन्हें इतना खिलाया-पिलाया जाता है और इनकी सेवा की जाती है कि गायों की ऊंचाई 8-8 फीट तक होती है। पशु 'धन' होते हैं इनके मवेशी

भारी-भरकम गाय-बैलों की कीमत औसत 500 यानि करीब 42 हजार रुपये में लगती है। यही वजह है कि इन्हें मारा नहीं जाता बल्कि दहेज या गिफ्ट के तौर पर दिया जाता है। मुंडारी लोग अपने मवेशियों की दिन में दो बार मालिश भी करते हैं और अपने पसंदीदा पशु के साथ सो भी जाते हैं। ये उनका स्टेटस सिंबल होते हैं। शादियों में ब्राइड प्राइस के तौर पर इन्हीं पशुओं को दिया जाता है। वे इसके गोबर और गोमूत्र को एंटीबायोटिक से लेकर मच्छरों से सुरक्षा के लिए भी इस्तेमाल करते हैं।

अजीब शौक ! काफी में ब्लड मिलाकर पीती है कैलिफोर्निया की ये महिला

आपको अलग-अलग तरह के लोग रोजाना मिलते होंगे। इनमें से कुछ तो बिल्कुल हमारी-आपकी तरह होते हैं तो कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनकी आदतें या व्यवहार थोड़ा अजीब होता है। वो कुछ अलग ही चीजें एंजॉय करते हैं, जो सामान्य लोगों की कल्पना से परे हों। आज हम आपको एक ऐसी ही महिला के बारे में बताएंगे, जिसे कोई जूस नहीं बल्कि खून पीना पसंद है। महिला खुद बताती है कि पिछले 10 साल से वो खून पी रही है और अपनी इस आदत को वो अब बदल नहीं सकती। उसे सिर्फ जानवरों का ही नहीं बल्कि इंसानों का खून भी अच्छा लगता है और वो इसे पीती रहेगी। आपको ये अजीब लग सकता है लेकिन उनके लिए उसके लिए ये सामान्य चीज़ हो चुकी है, जैसे कोई जूस, चाय-कॉफी या कोई और ड्रिंक। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के कैलिफोर्निया की रहने वाली 40 साल की महिला का अजीब ही शौक है। मिशेल नाम की ये महिला रोजाना खून पीती है। उसने टीनएज से ही गाय और सुअर का खून पीना शुरू कर दिया था लेकिन उसे इंसान का खून सबसे ज्यादा पसंद है। हालांकि उसका कहना है कि इंसान का विश्वसनीय खून हासिल करना भी आसान नहीं है। उसका कहना है कि वो अपनी कॉफी में बूस्टर की तरह खून डाल पी लेती है। मिशेल खून तो पीती हैं, लेकिन खुद को वैंपायर यानि पिशाचिनी मानने से इनकार करती है। उसने साल 2013 में एक टीवी शो My Strange Addiction के दौरान इस आदत का खुलासा किया था। वो दिन में एक लीटर खून पी सकती है। उसने कच्ची उम्र में ये लत लगाई और अब इसके बिना नहीं रह सकती। उसका कहना है कि इस आदत को लेकर लोग उसे जज करते हैं और गलत समझते हैं क्योंकि ये असामान्य है।

धातु उद्योग में उतरा अडानी समूह

» मुंद्रा की तांबा इकाई का संचालन शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। मुंद्रा की तांबा इकाई का संचालन शुरू होते ही अडानी ने धातु उद्योग में पदार्पण किया, कंपनी पहले चरण में 1.2 अरब डॉलर का निवेश करेगी। समूह पहले चरण में 0.5 एमटीपीए क्षमता वाला तांबा स्मेल्टर स्थापित करने के लिए लगभग 1.2 बिलियन डॉलर का निवेश कर रहा है।

अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी कच्छ कॉपर ने ग्राहकों को कैथोड का पहला बैच भेजकर गुरुवार को मुंद्रा में अपनी ग्रीनफील्ड कॉपर रिफाइनरी परियोजना की पहली इकाई शुरू की है। यह धातु उद्योग में अदाणी पोर्टफोलियो की शुरुआत का प्रतीक है। समूह पहले चरण में 0.5 एमटीपीए क्षमता वाला तांबा स्मेल्टर स्थापित करने के लिए लगभग 1.2 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा है। दूसरे चरण के पूरा होने पर, जो समान क्षमता जोड़ेगा, कच्छ कॉपर, 1 एमटीपीए के साथ, दुनिया का सबसे बड़ा एकल-स्थान कस्टम स्मेल्टर होगा, जो अत्याधुनिक तकनीक और डिजिटलीकरण का लाभ उठाते हुए ईएसजी प्रदर्शन मानकों को बेंचमार्क करेगा। इससे 2,000 प्रत्यक्ष और 5,000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

'स्थायी और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर भारत की छलांग'

गौतम अडानी ने कहा, कच्छ कॉपर का परिचालन शुरू होने के साथ, कंपनियों का अडानी पोर्टफोलियो न केवल धातु क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है, बल्कि एक स्थायी और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर भारत की छलांग भी लगा रहा है। कच्छ कॉपर अपने पोर्टफोलियो में कॉपर ट्यूब जोड़ने के लिए अपनी आगे की एकीकरण रणनीति के हिस्से के रूप में कच्छ कॉपर ट्यूब्स लिमिटेड की स्थापना की दिशा में काम कर रहा है। ट्यूब एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन में अनुप्रयोगों को पूरा करेंगे। अडानी ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी, सुपर-आकार की परियोजना में निष्पादन की हमारी गति भारत को वैश्विक तांबा क्षेत्र में सबसे आगे ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हमारा मानना है कि घरेलू तांबा उद्योग परिपक्व पर्यावरणीय नेतृत्व के साथ हमारे हरित बुनियादी ढांचे को मजबूत करके 2070 तक हमारे देश के कार्बन तटस्थता के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शहाबुद्दीन की पत्नी हिना का समर्थन करेगी एआईएमआईएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने कहा कि वह बाहुबली नेता रहे पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब के प्रति पूरी सहानुभूति रखती है और अगर वह निर्दलीय या किसी अन्य समान विचाराधारा वाले दल के उम्मीदवार के तौर पर लोकसभा चुनाव लड़ती हैं तो वह उनका समर्थन करेगी। बिहार में एआईएमआईएम के एकमात्र विधायक और प्रदेश इकाई के प्रमुखअख्तरुल ईमान ने यहां यह घोषणा की।

हिना शहाब ने पिछले कुछ लोकसभा चुनाव सीवान से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उम्मीदवार के रूप में लड़े थे, उनके पति चार बार इस सीट से सांसद रहे थे। हालांकि इस बार उन्हें टिकट नहीं मिलने की आशंका है। ईमान ने क हा, ''हम दिवंगत शहाबुद्दीन की पत्नी के प्रति पूरी सहानुभूति रखते हैं। अगर वह निर्दलीय या समान विचारधारा वाली पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ना चुनती हैं, तो एआईएमआईएम उन्हें पूरा समर्थन देगी और यहां तक कि उनके प्रचार अभियान में भी मदद करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद से मौजूदा सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी हिना शहाब के लिए प्रचार करने के लिए बिहार आएंगे, तो ईमान ने कहा कि हम उनके बारे में नहीं कह सकते क्योंकि उनकी कई व्यस्तताएं हैं। लेकिन मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारी पार्टी क्या करना चाहती है। ईमान ने यह भी कहा कि एआईएमआईएम ने अब राज्य में 15 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है जबकि उन्होंने हाल ही में बिहार में अपनी पार्टी के 11 सीटों पर चुनाव लडने की घोषणा की थी।

मैं गुना का स्पाइडरमैन हूं: ज्योतिरादित्य सिंधिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिवपुरी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खुद को स्पाइडर कहते हुए कहा कि उन्होंने गुना के लिए काफी काम किया है और सड़कों का एक विशाल नेटवर्क बनाया है। बीजेपी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना के शिवपुरी में रावत समुदाय की एक सभा को संबोधित करते हुए ये बात कही।

» बोले- इस बार फिर बनेगी बीजेपी सरकार

सिंधिया ने लोगों से यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में बीजेपी को हर बूथ पर 370 वोट अतिरिक्त मिले ताकि नरेंद्र मोदी तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री चुने जाएं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'अबकी बार 400 पार का नारा दिया है। उनके नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (जनसंघ के संस्थापक) ने अनुच्छेद 370 को हटाने के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया था। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हमें प्रत्येक मतदान केंद्र पर पिछली बार के मुकाबले भाजपा के वोट में 370 की बढ़ोतरी करने पर काम करना होगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था 'गंभीर संकट' में: चिदंबरम

» भाजपा के 'चिकित्सकों' को चिंता नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने दावा किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था ''गंभीर संकट'' में है लेकिन ''भाजपा के तथाकथित चिकित्सकों'' को इसकी कोई चिंता नहीं है।पूर्व वित्त मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा का दावा है कि 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है, लेकिन इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रवाह में 31 प्रतिशत की गिरावट क्यों आई है। उन्होंने कहा कि एफडीआई किसी देश, सरकार और उसकी नीतियों में विदेशी निवेशकों के भरोसे का पैमाना है।

चिदंबरम ने कहा कि 2023-24 में इस भरोसे में तेजी से गिरावट आई है।

उन्होंने कहा,'' भाजपा खुद को प्रमाणपत्र देती है। अच्छा प्रमाणपत्र विदेशी और भारतीय निवेशकों से मिलना चाहिए। भारतीय निवेशकों ने पिछले तीन वर्षों के दौरान भाजपा सरकार की नीतियों पर कोई भरोसा नहीं जताया है।

भाजपा कर्मचारियों की हितैषी नहीं : सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि कांग्रेस सिर्फ वायदे ही नहीं करती है, उन्हें पूरा भी करती है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी हितैषी होने के बड़े-बड़े दावे करने वाली भाजपा के शासन वाले किसी भी राज्य में पुरानी पेंशन नहीं दी जा रही है। जहां दी जा रही थी, वहां पर भी बंद कर दी गई है। वीरवार को जारी बयान में सीएम सुक्खू ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से उनकी सरकार हिमाचल प्रदेश में 1.36 लाख कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ दे रही है। कर्मचारियों की भलाई के मामले में हिमाचल प्रदेश सबसे आगे होगा। हिमाचल प्रदेश में भी ओपीएस की बहाली कांग्रेस के शासनकाल में की गई है। सुक्खू ने कहा कि भाजपा ओपीएस नहीं देती है, बल्कि छीन लेती है। भाजपा शासित राज्य इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मामले सबके सामने हैं, जहां पुरानी पेंशन नहीं दी जा रही है।

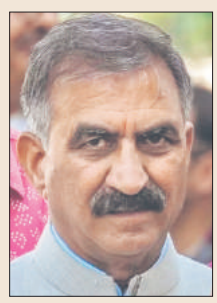

बीजेपी के लिए वरदान हैं राहुल गांधी : अनुराग

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता भाजपा के लिए 'वरदान' हैं क्योंकि भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि ''राहुल गांधी से बड़ा वरदान भाजपा के लिए कुछ हो ही नहीं सकता।'' भाजपा नेता ने कहा कि उनके मन में राहुल गांधी के लिए बहुत सम्मान है क्योंकि वह एक ''बड़े नेता'' हैं। ठाकुर ने कहा,''वह भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए उतनी ही ऊर्जा खर्च कर रहे हैं जितनी हम कर रहे हैं। गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' पर कटाक्ष करते हुए ठाकुर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कांग्रेस नेता विदेशों की यात्रा करने के बजाय देश का दौरा कर रहे हैं।

लेकिन उन्हें हासिल क्या हुआ? यात्रा मध्य प्रदेश से होकर गुजरी और वे वहां हार गए। यात्रा छत्तीसगढ़ से होकर गुजरी और वे वहां हार गए। यात्रा राजस्थान से होकर गुजरी और वे वहां हार गए। अब यात्रा पूरे देश से निकल चुकी है। आप केवल कल्पना ही कर सकते हैं कि वे क्या खोने जा रहे हैं।

पराग की पारी ने गिराई दिल्ली पर गाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच जयपुर में आईपीएल 2024 का मुकाबला खेला गया। जिसमें रॉयल्स ने दिल्ली को 12 रन से चित कर दिया। राजस्थान की इस जीत के हीरो रियान पराग रहे। जिन्होंने 84 रनों की बेहतरीन पारी खेली। राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाए। जिसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 173 रन ही बना पाई। डेविड वॉर्नर ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाए।

दरअसल, असम के 22 साल के रियान ने 45 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के लगा कर आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। उनकी ताबड़तोड़ पारी से टीम ने आखिरी सात ओवर में 92 रन जोड़े। इसके साथ ही मौजूदा आईपीएल सत्र में रॉयल्स की यह नौ मैचों में नौवीं जीत है। राजस्थान के लिए यह दो मैचों में दूसरी जीत है जबकि दिल्ली की यह लगातार दूसरी हार है। दिल्ली के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 23 गेंद में दो चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 44 रन बनाये जबकि डेविड वॉर्नर ने 34 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 49 रन बनाये। वार्नर ने अपना 100वां आईपीएल मैच खेल रहे कप्तान ऋषभ पंत के साथ तीसरे विकेट के लिए 46 गेंद में 67 रन की साझेदारी की जबकि स्टब्स ने अक्षर के साथ 27 गेंद में 51 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को मैच में बनाये रखा था।

अश्विन-जुरेल की भी अच्छी साझेदारी

राजस्थान की टीम आठ ओवर के बाद 38 रन पर तीन विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी लेकिन मैन ऑफ द मैच रियान ने रविचंद्रन अश्विन (19 गेंद में 29 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 54 और पांचवें विकेट के लिए ध्रुव जुरेल (12 गेंद में 20 रन) के साथ 23 गेंद में 52 रन की आक्रामक साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी करायी। उन्होंने शिमरोन हेटमायर (सात गेंद में नाबाद 14 रन) के साथ 16 गेंद में 43 रन की अटूट साझेदारी के दौरान आखिरी ओवर में एनरिच नोर्किया के खिलाफ तीन चौके और दो छक्के लगाकर 25 रन बटोरे।

इनकम टैक्स का कांग्रेस को 1700 करोड़ का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा टैक्स नोटिस को चुनौती देने वाली पार्टी की याचिका खारिज करने के एक दिन बाद कांग्रेस को आयकर विभाग से 1,700 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। सूत्रों ने कहा कि ताजा नोटिस आकलन वर्ष 2017-18 से 2020-21 के लिए है और इसमें जुर्माना और ब्याज शामिल है।

चुनाव से पहले नोटिस पर उठे सवाल

फरवरी में आयकर विभाग ने पार्टी के टैक्स रिटर्न में गड़बड़ी पाई थी और 200 करोड़ रुपये की मांग की थी। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने पार्टी को बकाया भुगतान करने को कहा था और उनके खाते फ्रीज कर दिए थे। कांग्रेस ने कहा कि टैक्स ट्रिब्यूनल का उसके फंड को रोकने का आदेश लोकतंत्र पर हमला है क्योंकि यह आदेश लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। गुरुवार को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने कांग्रेस द्वारा उसके खिलाफ चार साल की अवधि के लिए कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। इस चुनाव में राजनीतिक दलों के लिए फंडिंग एक केंद्रीय मुद्दा बनता जा रहा है, खासकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बांड को रद्द करने के बाद - जो व्यक्तियों और/या व्यवसायों को राजनीतिक दलों को गुमनाम दान करने की इजाजत देता है - इस आधार पर कि यह नागरिकों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करता है।

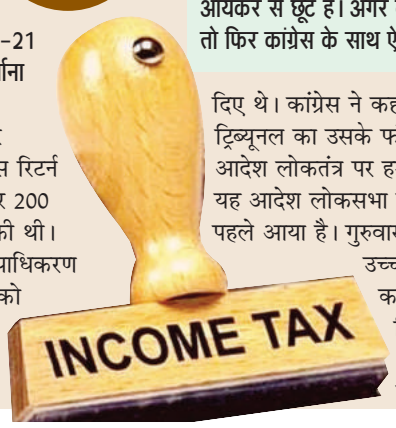

मोदी सरकार लोकतंत्र को मारना चाहती है : माकन

कांग्रेस नेता अजय माकन ने मीडिया से कहा था, चुनाव की तारीख आ गई है और हम अपने बैंक में पड़े 285 करोड़ का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, प्रचार के लिए हमें अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में स्लॉट बुक करना होगा, हमें मिलना होगा पोस्टर छपवाए। अगर हम ये काम भी नहीं कर पाएंगे तो लोकतंत्र कैसे बचेगा? उन्होंने कहा था कि हमें तीन बातें कहनी हैं, प्रत्येक राजनीतिक दल को आयकर से छूट है। अगर कभी किसी ने पेनल्टी नहीं दी तो फिर कांग्रेस के साथ ऐसा क्यों है?

राजू पाल हत्याकांड में सभी सात आरोपियों को उम्रकैद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा विधायक राजू पाल हत्या के सात आरोपियों को सीबीआई लखनऊ की कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियों में माफिया अतीक अहमद के तीन शॉर्प शूटर फरहान, आबिद और अब्दुल कवि भी शामिल हैं। इसके अलावा जावेद, इसरार, रंजीत पाल और गुल हसन को भी कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। साल 2005 में हुई बीएसपी विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में लखनऊ की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इस मामले में 7 लोगों को दोषी करार दिया है।

हत्या का आरोप माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ पर लगा था। दोनों भाइयों को इस मामले में जेल भी जाना पड़ा था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने इस मामले में आगे की जांच की थी। राजू पाल की पत्नी पूजा पाल तीसरी बार विधायक हैं। प्रयागराज में पिछले साल हुए चर्चित शूटआउट में मौत के घाट उतारे गए उमेश पाल भी राजू पाल मर्डर केस में गवाह थे।

अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

प्रयागराज। मुख्तार अंसारी के परिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है,अंसारी परिवार जेल में बंद विधायक बेटे अब्बास अंसारी को मुख्तार अंसारी के जनाजे में शामिल कराना चाहता था इसके लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक अर्जी मेंशन की जानी थी। एमपी एमएलए से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली जस्टिस संजय कुमार सिंह की बेंच में मुख्तार के परिवार की अर्जी मेंशन होनी थी। यह बेंच आज नहीं बैठी और इसके मुकदमे जस्टिस समित गोपाल की बेंच में ट्रांसफर कर दिए गए, जस्टिस समित गोपाल की बेंच ने दूसरी बेंच से आए किसी भी मुकदमे को सुनने से इनकार कर दिया। इस वजह से मुख्तार के परिवार की अर्जी हाईकोर्ट में मेंशन नहीं हो सकी है, अंसारी परिवार अब सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करने की तैयारी में जुट गया है, थोड़ी देर में अब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की अर्जी जाएगी। हालांकि वकील इस बात की कोशिश में भी जुटे हुए हैं कि मामला चीफ जस्टिस के यहां मेंशन हो जाए और चीफ जस्टिस किसी बेंच को सुनवाई के लिए नॉमिनेट कर दें। विधायक बेटे अब्बास अंसारी को पिता मुख्तार अंसारी के जनाजे में शामिल होने के लिए पैरोल दिए जाने या फिर न्यायिक हिरासत में कब्रिस्तान तक लाए जाने की इजाजत दिए जाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल होनी थी।

विपक्षी गठबंधन का विरोध प्रदर्शन टला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी दफ्तर पर इंडिया गठबंधन का आज होने वाला विरोध-प्रदर्शन टल गया है। दरअसल दिल्ली पुलिस की तरफ से विरोध-प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं दी गई। जिसके चलते आज का प्रदर्शन टाल दिया गया है। विरोध-प्रदर्शन टलने के बाद अब आम आदमी पार्टी के नेता-कार्यकर्ता डोर टू डोर कैंपेन करेंगे।

इसके अलावा इंडिया गठबंधन ने 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक चुनावी रैली करने का भी ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आज विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर यहां भाजपा मुख्यालय की ओर जाने वाली सड़कों पर कई स्तर के बैरिकेड लगाए गए हैं और बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

महागठबंधन में बिहार की 40 सीटों पर बनी बात

आरजेडी, कांग्रेस और वाम दल में हो गया बंटवारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में लोकसभा की 40 सीटों के बंटवारे को लेकर महागठबंधन के बीच कई दिनों से पेंच फंसा हुआ था। अब आरजेडी, कांग्रेस और वामदल के बीच सीट शेयरिंग हो गई है। शुक्रवार (29 मार्च) को आरजेडी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस इसकी औपचारिक घोषणा कर दी गई। आरजेडी 26 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि कांग्रेस को 9 सीटें मिली हैं।

वहीं वाम दल को पांच सीट मिली है। भाकपा माले को तीन सीट, सीपीआई को एक और सीपीएम को भी एक सीट दी गई है, आरजेडी और कांग्रेस के बीच फंसी पूर्णिया सीट पर अपडेट है कि यह लालू यादव की पार्टी ही रखेगी। कांग्रेस को इस सीट से बड़ा झटका लगा है, साथ ही पप्पू यादव के लिए भी यह बुरी खबर है।

9 सीटों पर लड़ेगी कांग्रेस

बिहार में कांग्रेस के खाते में जो सीटें गई हैं उनमें कटिहार, किशनगंज, पटना साहिब, पश्चिमी चंपारण, सासाराम, महाराजगंज, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर शामिल है।

आरजेडी के हिस्से में गई 26 सीटें

बिहार में जिन 26 सीटों पर आरजेडी लड़ेगी उनमें औरंगाबाद, मधेपुरा, गया, जमुई, नवादा, सारण, पाटलिपुत्र, बक्सर, उजियारपुर, जहानाबाद, दरभंगा, बांका, अररिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, मधुबनी, सीवान, हाजीपुर, वाल्मीकि नगर, पूर्वी चंपारण, सुपौल, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज और पूर्णिया शामिल है।

सीपीआईएमएल को तीन सीट

वहीं सीपीआईएमएल को तीन सीट आरा, नालंदा और काराकाट दी गई है. सीपीआई को एक सीट बेगूसराय दी गई है। सीपीएम को एक सीट खगड़िया दी गई है।

महाराष्ट्र में कांग्रेस उम्मीदवार रश्मी बर्वे का जाति प्रमाण पत्र खारिज

कांग्रेस की रामटेक (एससी) लोकसभा सीट से उम्मीदवार रश्मी बर्वे का जाति वैधता प्रमाणपत्र रद्द करना राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई है, पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने दावा किया। नागपुर की जाति छानबीन समिति ने बर्वे के प्रमाणपत्र को अवैध करार दिया था। कांग्रेस ने कुछ दिन पहले रामटेक से अपने उम्मीदवार के रूप में नागपुर जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष बर्वे के नाम की घोषणा की थी। पटोले ने कहा, उनका मुकाबला एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राजू पारवे से है। भाजपा 2024 का लोकसभा चुनाव हारने जा रही है और इसलिए, वह विपक्ष के खिलाफ इस तरह से साजिश रच रही है। बर्वे का जाति वैधता प्रमाणपत्र रद्द करना राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई है। उन्होंने कहा, हालांकि, पार्टी इस घटनाक्रम से डरी हुई नहीं है क्योंकि उसने रामटेक सीट के लिए दूसरा नामांकन दाखिल किया है, पटोले ने दावा किया कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करती है, लेकिन चुनाव लड़ने के लिए उसे दूसरे दलों से उम्मीदवार आयात करने पड़ते हैं।

जम्मू-कश्मीर में खाई में गिरी यात्री कैब, 10 यात्रियों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में शुक्रवार 29 मार्च को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। जम्मू कश्मीर के रामबन के पास नेशनल हाईवे पर एक सड़क हादसा हुआ है जिसमें एक कैब खाई में गिर गई है। यह एक यात्री कैब थी जिसमें 10 लोग सवार थे। इस हादसे में सभी लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो क्या अब सवारियों को लेकर जम्मू से श्रीनगर जा रही थी। इसी बीच यह सड़क हादसे का शिकार हो गई और खाई में जा गिरी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन की शुरुआत हो गई है। घटना स्थल पर एसडीआरएफ और रामबन सिविल क्यूआरटी टीम मौके पर है, जो बचाव अभियान में जुटी हुई है। बचाव अभियान सुबह से ही जारी है। अब तक टीम कैब में सवार 10 लोगों के शव बरामद कर चुकी है। जानकारी के मुताबिक जिस जगह पर एक्सिडेंट हुआ है वहां

श्रीनगर नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा

अंधेरा है। इलाके में लगातार बारिश भी हो रही है जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में समस्या आ रही है। पुलिस का कहना है कि उन्हें लगभग रात एक बजे इस हादसे की जानकारी मिली। जानकारी के मुताबिक जम्मू से कश्मीर की तरफ यात्रियों को ले जा रही हूं टैक्सी नेशनल हाईवे 44 पर 300 मीटर गहरी खाई में गिर गई है। एसएचओ रामबन, पुलिस टीम सीआरएफ टीम और सिविल कार्ट टीम बचाओ अभियान करने के लिए घटना स्थल पर पहुंची। अब तक को क्या आप में सवाल 10 लोगों के शव मिल चुके है।

संन्यास के बारे में सोचने की जरूरत नहीं: राजनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने राजनीतिक करियर को लेकर खुलकर बात की। राजनीति से अपने संन्यास को लेकर उन्होंने कहा कि सब कुछ ईश्वर की मर्जी से चल रहा है और उन्हें संन्यास के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है।

राजनाथ सिंह ने 25 साल की उम्र में पहला चुनाव जीता था। वह इमरजेंसी के समय में जेल में भी बंद रहे थे। इसके बाद से वह लगातार राजनीति में सक्रिय हैं, एक समय पर उन्हें प्रधानमंत्री पद का दावेदार भी माना जाता था। 2014 में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद वह अहम मंत्रालय संभाल रहे हैं। सिंह से सवाल किया गया कि सक्रिय राजनीति से संन्यास के बारे में वह क्या सोचते हैं। इसके जवाब में राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्हें सोचने की जरूरत ही नहीं है, यह ईश्वर के हाथ में है, उनके प्रति उनकी गहरी आस्था है, जीवन में जो कुछ भी हुआ है, वह हमारे कारण हुआ है, ऐसा मैं कभी नहीं सोचता हूं और मैं मानता हूं कि जो भी हमारी सीमित सोच है, परमात्मा ऐसी बुद्धि न दे कि हम ऐसा सोचें, मैं मानता हूं कि जो कुछ भी मेरे जीवन में हुआ है, ईश्वर की वजह से हुआ है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।